HINDI

All Judiciary Exam

Prabhakar Prasad Shukla

सीखेंगे समास : पूरा है विश्वास

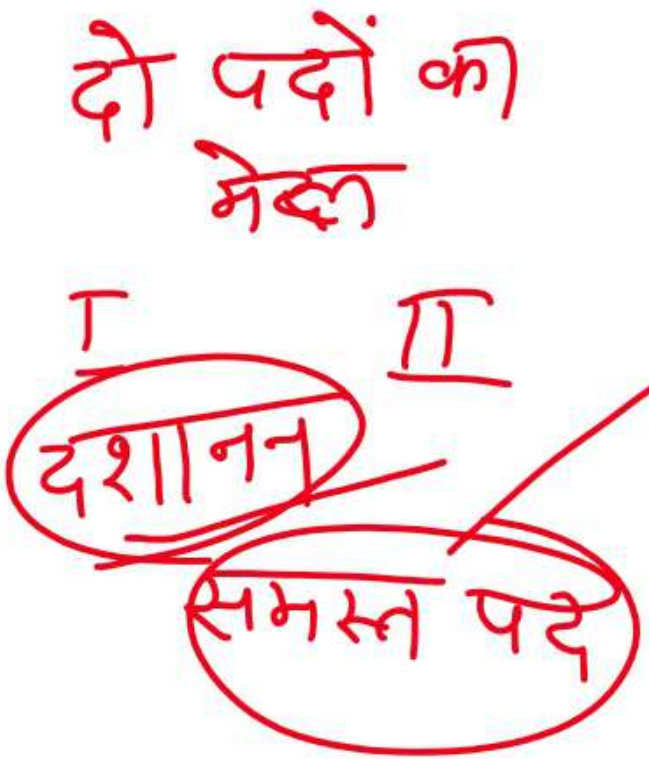

समास

दो या दो से अधिक पदों के योग से जो नया शब्द बनता है उसे सामासिक शब्द कहते हैं और पदों के योग को समास कहते हैं।

समास शब्द सम् उपसर्ग लगाकर अस् धातु से बना है जिसका अर्थ भली प्रकार से फेंकना होता है।

समास का प्राय: एक ही अर्थ है – संक्षेप करना।

समास के विग्रह से ही समास के नाम का निर्धारण होता है।

दशानन — बहुव्रीहि

(दस) — कर्मधारय

✓ द्विगु

समास और विग्रह

पदों की प्रधानता के आधार पर समास के चार भेद हैं –

प्रथम पद प्रधान – अव्ययीभाव समास

दूसरा पद प्रधान – तत्पुरुष समास

दोनों पद प्रधान – द्वन्द्व समास

अन्य पद प्रधान – बहुव्रीहि समास।

समास और विग्रह

कुछ विद्वानों ने कर्मधारय और द्विगु समास को तत्पुरुष समास के ही भेद माने गए हैं तो कुछ इनको भी मुख्य समासों की श्रेणी मे रखते हैं। इस आधार पर समास के छ: भेद बताए गए हैं –

1. अव्ययीभाव
2. तत्पुरुष
3. कर्मधारय
4. द्विगु
5. द्वन्द्व
6. बहुव्रीहि

समास और विग्रह

1. अव्ययीभाव समास –
   इसमें पूर्व पद प्रधान एवं समस्त पद अव्यय हो जाता है।

   जैसे –
   प्रतिदिन – दिन-दिन
   आमरण – मरण तक
   यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार।

समास और विग्रह

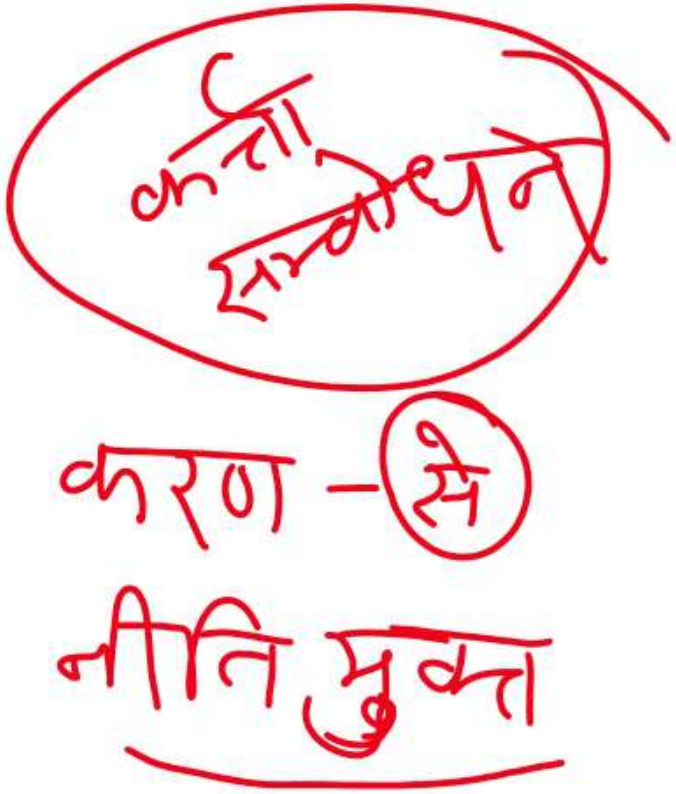

2. तत्पुरुष समास –

इसमें अन्तिम पद प्रधान होता है। बहुधा दोनों पद संज्ञावाची होते हैं। कारकीय विभक्ति का लोप होता है।

जैसे –

- स्वर्गप्राप्त – स्वर्ग को प्राप्त
- नीतियुक्त – नीति से युक्त
- देशभक्ति – देश के लिए भक्ति
- जन्मान्ध – जन्म से अन्धा
- माधव – मा (लक्ष्मी) का धव (पति)
- स्नेहमग्न – स्नेह में मग्न

कर्ता, सम्बोधन

करण – से

नीति युक्त

कर्म तत्पुरुष

करण

सम्प्रदान

समास और विग्रह

3. कर्मधारय समास –

इसमें विशेषण-विशेष्य सम्बन्ध या उपमेय-उपमान सम्बन्ध पाया जाता है।

जैसे –

पीताम्बर – पीत है जो अम्बर

परमेश्वर – परम है जो ईश्वर

नीलकण्ठ – नीला है जो कण्ठ

घनश्याम – धन की तरह श्याम

विद्यारत्न – विद्या ही है रत्न

समास और विग्रह

4. द्विगु समास –
इसमें पूर्व पद संख्यावाची होता है।

जैसे –
त्रिलोक – तीन लोकों का समाहार
पंचवटी – पाँच वटों का समाहार
सतसई – सात सौ का समाहार

समास और विग्रह

5. द्वन्द्व समास –

इसमें दोनों पद प्रधान होते हैं।

जैसे –

गाय-बैल – गाय और बैल

दालरोटी – दाल और रोटी

हाथपाँव – हाथ और पाँव

शीतोष्ण – शीत और ऊष्ण

- लँगड़ा-लूला, भूखा-प्यासा, अन्धा-बहरा में दोनों पद विशेषण होने के कारण द्वन्द्व समास नहीं है।

समास और विग्रह

6. बहुव्रीहि समास –
इसमें दोनों पद गौण तथा अन्य पद प्रधान होता है।

जैसे –
पीताम्बर – पीत है अम्बर जिसका अर्थात् विष्णु
दशानन – दस हैं आनन जिसके अर्थात् रावण
बेरहम – नहीं है रहम जिसमें अर्थात् निर्दय

Rapid Linking Batch for DJS Mains

May 4,2022

1 Month

Apoorva Purohit

Tansukh Paliwal

Shivani Solanki

Unnati Srivastva

Surya Prakash

Anoop Upadhyay

Archna Sukhija

Raghvendra Pratap Singh

Use Code : **PPS32** For 10% off | For More Information 7737746465

All State Judiciary & Law Exams
OUR RUNNING BATCH
Rapid Linking Batch for RJS Mains
Starts from 04 May 2022
APO Linking Batch
Started from 20 April 2022
Linking Regular Batch 2.0
Started from 13 April 2022
Use Code LINKING and get 10% off
For More Information
7737746465

unacademy

SPECIAL CLASS FEATURES

Interactive Live Classes

Attend Live Class, participate in Live Chat and get your doubts cleared - all during the class.

Polls for Learners

Respond to polls for a better understanding of a topic.

Raise A Hand

Plus Subscribers can Talk with educators in Live Classes and get the doubts resolve in real time.

Never Miss a Class

Get notified for lessons, upcoming courses and recommendations curated for you.

Lecture Notes

Download lecture notes and get access to recorded sessions of Live Classes. Revisit important topics whenver you need.

Anytime/ Anywhere

Watch our Live Classes anytime from anywhere from any of your device.

Personal Guidance
Get one on one guidance from top exam experts
Study Planner
Customized study plan with bi-weekly reviews
Live Classes
Weekly Tests
ICONIC
PLUS
Structured Courses
Unlimited Access
Test Analysis
Get one on one guidance from top exam experts
Experts' Guidelines
Study booster workshops by exam experts

Unacademy Subscription

Plus Subscription

LINKING

Iconic Subscription

BUGS BOUNTY

Opportunity for all Learners to report any inappropriate content in the video

Be the first one to report a particular issue to claim your prize

Report any inappropriate content using the form in the description

समास और विग्रह

दिए गए प्रत्येक पद के लिए उपयुक्त समास छाँटिए –

1. आपबीती -

   क. अव्ययीभाव

   ख. तत्पुरुष

   ग. कर्मधारय

   घ. द्वन्द्व

समास और विग्रह

2. पंचवटी –

क. कर्मधारय

ख. द्वन्द्व

ग. बहुव्रीहि

✓ घ. द्विगु

समास और विग्रह

3. समक्ष –

क. अव्ययीभाव

ख. तत्पुरुष

ग. द्वन्द्व

घ. द्विगु

समास और विग्रह

4. गगनचुम्बी –

क. अव्ययीभाव

ख. तत्पुरुष

ग. द्विगु

घ. द्वन्द्व

समास और विग्रह

5. करुणासिक्त -

क. तत्पुरुष

ख. द्वन्द्व

ग. बहुव्रीहि

घ. द्विगु

समास और विग्रह

6. दो या अधिक शब्दों के परस्पर सम्बन्ध बताने वाले शब्दों अथवा प्रत्ययों का लोप होने पर, दो या अधिक शब्द में से जो एक स्वतन्त्र शब्द बनता है, कहलाता है –

क. संज्ञा
ख. विशेषण
ग. उपसर्ग
घ. समास

समास और विग्रह

7. नीलोत्पल में कौन-सा समास है?

क. तत्पुरुष

ख. कर्मधारय

ग. बहुव्रीहि

घ. अव्ययीभाव

समास और विग्रह

8. कामचोर में कौन-सा समास है?

क. अपादान तत्पुरुष

ख. अव्ययीभाव

ग. करण तत्पुरुष

घ. बहुव्रीहि

समास और विग्रह

9. जिस समास में प्रथम पद संख्यावाचक या गणनाबोधक होता है तथा दूसरा पद प्रधान होता है, उसे कहते हैं –

क. द्वन्द्व समास

ख. द्विगु समास

ग. तत्पुरुष समास

घ. कर्म धारय समास

समास और विग्रह

10. महाकवि में समास है –

क. कर्मधारय

ख. द्वन्द्व

ग. द्विगु

घ. अव्ययीभाव

Thank You!
+ SUBSCRIBE
LIKE
& SHARE
PDF
Download Now !